[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1475 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 210402

Name of the Course : **B.A. (Hons.), Philosophy**

Name of the Paper : Social and Political Philosophy – II

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. (a) How did Gandhi's conceptualization of Swaraj differ from that of the "extremists" or the "moderates" amongst Indian nationalists ? Explain in the context of Hind Swaraj.

   गांधी की स्वराज संबंधी संकल्पना, भारतीय राष्ट्रवादियों में शामिल चरमपंथी अथवा नरमपंथी के द्वारा दिए गए संकल्पनाओं से किस प्रकार भिन्न थी। हिन्द स्वराज के संदर्भ में समीक्षा कीजिए।

OR / अथवा

(b) What, according to Gandhi, are the chief symbols of modern civilization ? Critically evaluate his critique of modern civilization with reference to the same.

गांधी के अनुसार आधुनिक सभ्यता के मुख्य चिह्न कौन से हैं ? इस संदर्भ में गांधी की आधुनिक सभ्यता की मीमांसा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

2. (a) What according to Daya Krishna, are the two ways of conceiving the relationship between society and individual ? How do they give rise to the two fundamental predicaments ? Discuss.

दया कृष्ण के अनुसार समाज एवं व्यक्ति विशेष के बीच संबंध की किन दो तरीकों से परिकल्पना की जा सकती है ? ये परिकल्पनाएं किस प्रकार दो बुनियादी विडम्बनाओं को उत्पन्न करती है ? चर्चा कीजिए ।

OR / अथवा

(b) Differentiate between the Indian and the Western perspectives of freedom as discussed by Daya Krishna.

दया कृष्ण द्वारा चर्चित स्वतंत्रता की भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्यों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए ।

3. (a) "The democratic method is that institutional arrangement for arriving at political decisions in which individuals acquire the power to decide by means of a competitive struggle for the people's vote." Does this definition give a better understanding of the structure and working of modern day democracies than the classical doctrine ?

"लोकतांत्रिक प्रणाली राजनीतिक निर्णय पर पहुंचने के लिए वह सांस्थानिक व्यवस्था है जिसमें व्यक्ति-विशेष को निर्णय करने की शक्ति, जनमत की प्राप्ति हेतु प्रतिस्पर्धात्मक संघर्ष के माध्यम से उपलब्ध होता है।" क्या लोकतंत्र की दी गई परिभाषा आधुनिक युग के लोकतांत्रिक ढांचों तथा उनकी कार्यकारणी को बेहतर ढंग से समझा सकता है ?

OR / अथवा

(b) Write an essay on the classical doctrine of democracy as discussed by Schumpeter. What reasons does Schumpeter give for the survival of this doctrine ?

शूमपीटर द्वारा दी गई लोकतंत्र की क्लासिकी सिद्धान्त पर एक निबंध लिखिए। इस सिद्धान्त की उत्तरजीविता के पीछे शूमपीटर कौन-कौन से कारण बतातें हैं ?

4. (a) Give a comparative account of positive and negative liberty as discussed by Isaiah Berlin.

इसाय बर्लिन द्वारा चर्चित सकारात्मक तथा नगारात्मक स्वतंत्रता की तुलनात्मक व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

(b) Write a brief essay on Lukes' notion of power.

ल्यूक्स के शक्ति संबंधी सिद्धान्त पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

5. (a) How does Habermas trace the transformation of classical politics into modern social philosophy ? Explain.

हॉबरमास क्लासिकी राजनीति का आधुनिक सामाजिक दर्शन में परिवर्तन को किस प्रकार अंकित करते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

(b) According to Partidge, Schumpeter's and Dahl's views on democracy exemplify the anti-ideological trend in contemporary political thought. Comment.

पार्टरिज के अनुसार शुमपीटर तथा डॉल के लोकतंत्र के विषय में दिए गए मत तत्कालीन राजनीतिक विचाराधारा में विचार-विरोधी प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। टिप्पणी कीजिए।